पिट-हैड पर काफी कोयला है, लेकिन हमको चाहिए रेल-हैड पर, उसमें हमको स्टीम-कोल दो हजार वैगन से अधिक नहीं मिल पाता है, 3500 वैगन प्रतिदिन की रिक्वायरमेंट है, जिसमें इन्डस्ट्रीज भी है और स्टीम लोको-मोटिव्ज भी चलाने हैं। हमारी रेलवे की रिक्वायरमेंट 1750 वैगन पर-डे है।

श्री मोहनलाल सुखाड़िया : राजस्थान में आप ट्रेन क्यों कैन्सिल करते हैं ?

श्री केदार पांडे : राजस्थान के बारे में मैं अभी नहीं बताऊंगा। ट्रेन कैन्सिल करनी पड़ती है, ड्यू टू लैक आफ स्टीम कोल।

कसौली (हिमाचल प्रदेश) में रेबीज निरोधक टीके की फैक्टरी में आग

*371. **श्री कृष्ण दत्त सुलतानपुरी** : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) हिमाचल प्रदेश में कसौली छावनी में रेबीज-निरोधक टीके बनाने वाली फैक्ट्री में दो वर्ष पहले लगी आग से कितना नुकसान हुआ था और इस संबंध में पाए गए दोषी व्यक्तियों का ब्योरा क्या है; और

(ख) वहां कितनी मात्रा में टीकों का उत्पादन होता है ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE: (SHRI NIHAR RANJAN LASKAR): (a) There was no fire at Central Research Institute, Kasauli two years ago. However there was a fire in June, 1980, in the stores building of the Institute. The loss is reported to be about Rs. 12,28,400 (Rupees Twelve lakhs twenty-eight thousand and four hundred). The Himachal Pradesh police have indicated that this fire appears to be an accidental one.

(b) 44.30 lakh ml. of Anti-Rabies Vaccine was produced during 1980-81.

श्री कृष्ण दत्त सुलतानपुरी : अध्यक्ष जी, मंत्री जी ने जवाब दिया है कि यह स्टोर में आग लगी और अनुसंधान संस्थान में नहीं लगी है। इसके बारे में उन्होंने कहा है कि 12,28,400 रु० की हानि हुई बताई गई है। मैं आपके द्वारा मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि कोई एजेन्सी है, जिसने इसके बारे में इन्क्वायरी की है ? क्या पुलिस ने इन्क्वायरी की है या किसी सैन्टर के अधिकारी ने इसकी इन्क्वायरी की है ?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: In fact I have already said in the main answer that the Police have made an inquiry into it. They have given a final report. According to them, it seems to be an accidental case. Besides that, a departmental inquiry was also held and they have also given their findings.

श्री कृष्ण दत्त सुलतानपुरी : अध्यक्ष जी, मैं यह जानना चाहता हूं कि उनमें कौन सा पुलिस आफिसर है ? क्या एस०एच०ओ०, डी०एस०पी० या एस०पी० कौन है ?

SHRI NIHAR RANJAN LASKAR: I have got the full Police report with me. But it is a lengthy one.

MR. SPEAKER: Give him later on.

Ad-hoc Appointments of Academic Personnel in Jawaharlal Nehru University

*372. PROF. AJIT KUMAR MEHTA: Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state:

(a) the number of Jawaharlal Nehru University academic personnel who were appointed on ad-hoc basis initialllly and later on regularised in the University ;

(b) is it the policy of Government to appoint people on ad-hoc basis and then regularise them;